श्री दुबे नामक उच्च श्रेणी रेल कंडक्टर पर घातक हमला

1368. **श्री भागीरथ भंवर** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कोटा (राजस्थान) में 11 अक्तूबर, 1971 को श्री दुबे नामक उच्च श्रेणी रेल कंडक्टर पर किए गए घातक हमले के सम्बन्ध में श्रीमती दुबे और टिकट चैकिंग स्टाफ, वैस्टर्न रेलवे के जनरल सेक्रेटरी से रेलवे पुलिस अधिकारी, कोटा, और कोटा के कलेक्टर के विरुद्ध सरकार को कोई शिकायत प्राप्त हुई है,

(ख) क्या इस घटना को लेकर रेल कर्मचारियों ने हड़ताल की थी, और

(ग) जिन अधिकारियों के विरुद्ध शिकायत की गई थी उनके खिलाफ सरकार ने अब तक क्या कार्यवाही की है ?

रेल मंत्री (श्री के० हनुमन्तैया) (क) जी हां, इस सम्बन्ध में श्रीमती दुबे से एक शिकायत तथा कोटा के रेलवे टिकट चैकिंग स्टाफ एसोसिएशन द्वारा पारित एक प्रस्ताव मिले है ।

(ख) जी नहीं । लेकिन इसके विरोध में कोटा और रतलाम के टिकट जाँच कर्मचारियों ने 12-10-1971 को सामूहिक रूप से अपने बीमार होने की रिपोर्ट कर दी थी ।

(ग) इस घटना की पुलिस द्वारा जाच की जा रही है । इस बीच श्री एम० एस० शर्मा, थाना अधिकारी, सरकारी रेलवे पुलिस, कोटा और श्री जी० एस० गौर, चल टिकट परीक्षक, कोटा को कोटा से स्थानान्तरित करने के आदेश पारित कर दिये गये है ।

रेलवे द्वारा सीमेंट कंक्रीट स्लीपरों का उपयोग

1369. **श्री भागीरथ भंवर** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मंत्रालय ने सीमेंट कंक्रीट के स्लीपर बनाने का निर्णय कब किया और ये स्लीपर अब तक कहां कहां और कितने कितने बनाये गये हैं,

(ख) जब से ऐसे स्लीपरों के उत्पादन का कार्य हाथ में लिया गया तब से उनके पास उत्पादन पर वर्ष-वार कितनी राशि व्यय की गई,

(ग) क्या भुसावल गोडाउन के निकट और लोनावाला में गत कई वर्षों से लाखों की तादाद में ये ककरीट के स्लीपर बेकार पड़े हुये है,

(घ) रेलवे में किन किन डिजाइनों में अभी तक उक्त स्लीपरों का उपयोग किया जा रहा है, और

(ङ) क्या लोहे और लकड़ी के स्लीपरों की तुलना में सीमेंट के स्लीपर अधिक सस्ते और टिकाऊ होते है ?

रेल मंत्री (श्री के० हनुमन्तैया) (क) 1963 में रेल मंत्रालय ने भारतीय रेलों में इस्तेमाल के लिए कंक्रीट स्लीपर बनाने का विनिश्चय किया था । अब तक निम्नलिखित स्थानों पर स्लीपरों का निर्माण किया गया है —

स्थान	संख्या
लोनावला	600
* झांसी (करारी)	5000
**दिल्ली	2500
* गया (मानपुर)	3000
* बम्बई	13000
दक्षिण रेलवे (तिरुवल्लूर)	200

*कारखाने निजी क्षेत्र में हैं ।

**कारखाना निर्माण और आवास मंत्रालय के अधीन है ।